ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

शैक्षिक संवाद की पत्रिका

वर्ष 40 अंक 2 अप्रैल 2016

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 40 अंक 2 अप्रैल 2016

इस अंक में

संवाद			3
लेख			
1.	पूर्व प्राथमिक शिक्षक शिक्षा में आवश्यकता-आधारित अधिगम कार्यक्रम पर एक अध्ययन	सीमा खेर	5
2.	प्राथमिक शिक्षा के प्रसार में गुणात्मकता — समस्या एवं सुझाव	अग्निवेश गुप्ता	10
3.	प्राथमिक शिक्षकों के समायोजन के लिए रक्षा युक्तियाँ	अलका त्रिपाठी अंजलि बाजपेयी	18
4.	दार्शनिकों की नज़र में बचपन	सिद्धार्थ शुक्ला	22
5.	कक्षा में क्यों सोते हैं बच्चे?	जगदीश प्रसाद करवासरा	29
6.	पढ़ने लिखने की अवधारणाएँ AMNR — "ये आरती लिखा है।"	सोनिका कौशिक	33
7.	विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की समस्याओं के निराकरण हेतु प्रारंभिक देखभाल तथा निदान	भारती शर्मा	39
8.	प्रारंभिक शिक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रलेखन एकक (एन.डी.यू) — एक प्रयोग	सरला वर्मा	48

विद्ययाऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्ठित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं –
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार,
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है –
विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

9. भाषा सीखने के संकेतक — एन.सी.ई.आर.टी. — 53

बालमन कुछ कहता है

10. मेरे सपनों का विद्यालय — आशी — 59

कविता

11. गुम होता बचपन — राजीव कुमार

LIBRARY

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

शैक्षिक संवाद की पत्रिका

वर्ष 40 अंक 3 जुलाई 2016

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 40 अंक 3 जुलाई 2016

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1. बच्चों का जीवन और जीवन का स्पंदन — उषा शर्मा — 5
2. चुनौती सबको साथ लेकर चलने की — अक्षय कुमार दीक्षित — 12
3. प्राथमिक शिक्षा में बाल साहित्य की विधाओं का योगदान — विभा मलिक — 19
4. जीवन कौशल शिक्षा — विद्यार्थियों के लिए आवश्यक सात चमत्कारिक मूल्य — पूनम तिवारी, अंजली बाजपेयी — 23
5. ज्ञान सृजन के लिए अध्यापन — चित्रा सिंह — 27
6. शिक्षण में भाषा की भूमिका — दीपमाला — 31
7. प्रारंभिक स्तर पर गुणवत्ता अनुवीक्षण प्रपत्र — एक परिचय — पूजा सिंह — 36
8. कार्ययोजना — सुधा रानी तैलंग — 42
9. पढ़ने-लिखने का आकलन — सोनिका कौशिक — 46

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्ठित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं – (i) अनुसंधान और विकास, (ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार, यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।

उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है — विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

विशेष

10.	निःशुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009	भारत सरकार	51

बाल कहानी

11.	क्रियात्मक लेखन	विशिता	71

बालमन कुछ कहता है

12.	बालमन की अभिव्यक्ति	स्नेहा	73

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

शैक्षिक संवाद की पत्रिका

अक्तूबर 2016

LIBRARY

ISSN 0970-9312

प्राथमिक शिक्षक

वर्ष 40 अंक 4 अक्तूबर 2016

इस अंक में

संवाद 3

लेख

1.	रोचक गतिविधियों द्वारा भाषा शिक्षण — एक प्रयोग	प्रमोद दीक्षित 'मलय'	5
2.	गतिविधि-आधारित पाठ्यक्रम द्वारा सहयोगात्मक शिक्षा का विकास	सीमा खेर	11
3.	गणितीय डर — एक विद्यालयी समस्या	संदीप कुमार अंजली वाजपेयी	16
4.	क्रियात्मक अनुसंधान तथा शिक्षा के क्षेत्र में इसकी सार्थकता	कुसुमलता	21
5.	रवींद्रनाथ टैगोर और शिक्षा-दर्शन	मोनिका नांदल	24
6.	मिड-डे-मील योजना	हरिश चंद्र चौबीसा लक्ष्मीनारायण चौबीसा	28
7.	नन्हे-मुन्ने अनुभव	अक्षय कुमार दीक्षित	34
8.	शिक्षक-प्रशिक्षकों हेतु क्षमता अभिवर्द्धन की आवश्यकता एवं क्रियाविधि	सुनील कुमार गौड़	39

विशेष

9.	राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) नीति, 2013	महिला एवं बाल विकास मंत्रालय	46

विद्यया ऽमृतमश्नुते

एन सी ई आर टी
NCERT

विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

परस्पर आवेष्टित हंस राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) के कार्य के तीनों पक्षों के एकीकरण के प्रतीक हैं–
(i) अनुसंधान और विकास,
(ii) प्रशिक्षण, तथा (iii) विस्तार।
यह डिज़ाइन कर्नाटक राज्य के रायचूर ज़िले में मस्के के निकट हुई खुदाइयों से प्राप्त ईसा पूर्व तीसरी शताब्दी के अशोकयुगीन भग्नावशेष के आधार पर बनाया गया है।
उपर्युक्त आदर्श वाक्य *ईशावास्य उपनिषद्* से लिया गया है जिसका अर्थ है– विद्या से अमरत्व प्राप्त होता है।

बाल कहानी

10. अभिव्यक्ति का माध्यम है कहानी — विपुल — 63

बालमन कुछ कहता है

11. मेरा स्कूल — धारा — 64